नवंबर, 2023 क्रमांक 11

e publication

मासिक पशुपालन निर्देशिका

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार (हरियाणा)

सर्दीयों में पशुओं की देखभाल के टिप्स

खानपान सम्बंधी ध्यान देने योग्य बातें :

- सर्दियों में ठंडा पानी होने से पशु कम पानी पीता हैं, जिससे पाचन विकार या दूध में गिरावट हो सकती हैं, अत: पशु को ठण्डमें पीने में साफ़ गुनगुना पानी दें, जिससे पशुओं में पानी की खपत बढें |
- सर्दियों में पशुओं के शारीरिक रखरखाव हेतु राशन में सामान्य से 0.8% अतिरिक्त ऊर्जा समृद्ध अनाज दें|
- सर्दियों में पशु के दूध में फैट % बढ़ाने के लिए पशुओं के चारे में लगभग 17 % फाइबर (सुखा व हरा चारा) शामिल करें|
- संतुलित आहार के लिए सान्द्र मिश्रण में अनाज (40-45%) खल (30-35%) चोकर (20-25%) खनिज मिश्रण (2%) और सामान्य नमक (1%) शामिल होने चाहिए।
- पशु के शरीर में गर्मी बनाये रखने के लिए धीरे पचने वाली सूखी घास और भूसे की मात्रा में धीरे-धीरे वृद्धि करें।

आवास सम्बंधी ध्यान देने योग्य बातें:

- पशुशाला में ठंडी हवा के प्रवेश को रोकने के लिए खिड़की व दरवाजों को तरपाल या मोटे कपड़े से ढ़के|
- पशु बाड़े को सुखा रखे, गोबर पेशाब की सफ़ाई जल्द करें|बंद कमरों में धूनी / धुवाँ से परहेज करें |
- पशुओं को ठंड से बचाव के लिए फर्श पर भूसे/पुवाल के बिछोने या रबर मेट का इस्तेमाल किया जा सकता है।
- छोटे पशुओं में गिला बिछावन ठण्ड का मुख्य कारक हो सकता हैं, अत: छोटे पशुओं कें पेशाब की सफाई पर ध्यान दें |
- पशुओं में कम्पन या बुखार के लक्षण दिखने पर तुरंत पशुचिकित्सक से संपर्क करें।

छोटे पशुओं में पेशाब रुकने की समस्या

- ठण्ड से पशु कम पानी पीते हैं, जिससे पथरी बनने के संभावना बढ़ जाती हैं, अत: पशु को ताजा साफ़ गुनगुना पानी नियमित तौर पर दे|
- छोटे पशुओ को अधिक अनाज ना दे बल्कि उन्हें संतुलित पचने योग्य आहार हरे चारे युक्त दें|मिट्टी युक्त हरा चारा छोटे पशुओ को ना खाने दे|
- पेशाब रुकने पर बियर / शराब आदि न दें |
- जिन क्षेत्रो में ये समस्या अधिक रहती हैं, उन क्षेत्रो में चिकित्सीय परामर्श से 7-10 ग्रा० नौसांदर रोजाना एक हफ्ते तक दें |

नवम्बर मास के पशुपालन सम्बन्धी कार्य

- सभी पशु विशेषकर बाहर से खरीदें पशुओं का गलघोंटू व मुँह-खुर वैक्सीन सुनिश्चित करें |
- पशुओं (विशेषकर छोटे पशुओं) का बिछावन सुखा रखें |
- सुबह एकदम से पशुओं को बाहर न निकालें, पशु आवास के पर्दे एकदम से न हटायें |
- जई व ल्यूसर्न की बिजाई पूरी करें |
- बाड़े में परजीवियों के नियंत्रण पर ध्यान दें, पशुशाला के आसपास निम्बू घास, गंदे,तुलसी आदि के पौधे परजीवी नियंत्रण में सहायक हैं|

व्हाट्सअप्प ग्रुप से जुडें: प्रगतिशील पशुपालक ग्रुप से जुड़ने हेतु 930-000-0857 व्हाट्स अप्प मेसेज भेजे ।

डॉ देवेन्द्र सिंह, डॉ सुजोय खन्ना एवं डॉ ज्योति शुन्ठवाल
विस्तार शिक्षा निदेशालय, लुवास